A-676

Total Pages : 5 **Roll No. ----------**

FCECD-02

Early Identification, Assessment and Intervention

Foundation Course in Special Education

Examination 2024 (June)

Time: 2:00 hrs Max. Marks: 100

Note : This paper is of Hundred (100) marks divided into Two (02) Section A and B. Attempt the questions contained in these sections according to the detailed given therein. Candidates should limit their answers to the questions on the given answer sheet. No additional (B) answer sheet will be issued.

नोट : इस प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना हैं। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

P.T.O.

Section-A (Long-Answer-Type Questions)

खण्ड–'क'(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

Note : Section 'A' contains Five (05) long-answer-type questions of Twenty Six (26) marks each. Learners are required to answer any Two (02) questions only.

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2x26=52]

Q.1. Describe in detail the cognitive development in early childhood.

आरम्भिक बाल्यावस्था में ज्ञानात्मक विकास का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

Q.2. Explain the meaning of early intervention and describe the Portage Precision Teaching Method.

शीघ्र हस्तक्षेप का अर्थ स्पष्ट करते हुए पोर्टेज प्रेसिशेन शिक्षण विधि का वर्णन कीजिए।

Q.3. Explain how teachers will identify children with specific learning disabilities (SLD) in the classroom.
शिक्षक कक्षा में विशिष्ट अधिगम अक्षमता (SLD) वाले बच्चों की पहचान किस प्रकार से करेंगे, समझाएं।

Q.4. Define the following:

a. Norm-referenced data

b. Criterion-referenced data.

निम्न को परिभाषित कीजिए–

क. मान निर्देशित आँकड़ा

ख. कसौटी मानदंड निर्देशित आँकड़ा

Q.5. Why is early identification and assessment of children important in early childhood? Explain in detail.
आरंभिक बाल्यावस्था में बच्चों की शीघ्र पहचान व निर्धारण क्यों जरूरी हैं। विस्तारपूर्वक समझाएं।

Section-B (Short-Answer-Type Questions)

खण्ड–'ख'(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

Note : Section 'B' contains Eight (08) short-answer-type questions of Twelve (12) marks each. Learners are required to answer any Four (04) questions only.

P.T.O.

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4x12=48]

Q.1. Describe the role of family in early intervention process.

शीघ्र हस्तक्षेप प्रक्रिया में परिवार की भूमिका का वर्णन कीजिए।

Q.2. Explain the various stages of developmental development.

गामक विकास के विभिन्न चरणों की व्याख्या कीजिए।

Q.3. Explain the different stages of cognitive development.

ज्ञानात्मक विकास के विभिन्न चरणों की व्याख्या कीजिए।

Q.4. Discuss mild mental disability.

न्यून मानसिक विकलांगता पर टिप्पणी कीजिए।

Q.5. Define early childhood development.

आरंभिक बाल्यावस्था विकास को परिभाषित कीजिए।

Q.6. What do you understand by Attention Deficit Hyperactivity Disorder (ADHD).

अटेंशन डेफिसिट हाइपर एक्टिविटी डिजॉर्डर (ADHD) से आप क्या समझते हैं।

Q.7. Discuss specific learning obstacles.
विशिष्ट अधिगम बाधा पर टिप्पणी कीजिए।

Q.8. Define the following:

a. Speech therapist

b. Occupational therapist

निम्न को परिभाषित कीजिए–

क. वाक्–चिकित्सक (स्पीच थिरेपिस्ट)

ख. व्यावसायिक चिकित्सक।

****